''बिपरजॉय'' तूफान से जालोर जिले में बाढ़ के हालात

जालोर जिले में मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, रेलवे व बस सेवा पूर्णता बंद

जालोर, (कासं)। जालोर में बीपरजॉय चक्रवाती तूफान से जालौर जिले में बाढ़ के हालात बने हुये हैं। वहीं मूसलाधार बारिश से जिले के नदी-नाले पूरे उफान पर है। जालौर जिले से अन्य जिलों का आवागमन अवरुद्ध हो गया। जालौर में बाढ़ के हालात बनने से रेलवे व बस सेवा पूर्णता बंद है। एनडीआरएफ व एसडीआरएफकी टीम सहित सहित पूरा प्रशासनिक अमला बाढ़ बचाव राहत कार्य में लगा हुआ है।

जालौर में गत दो दिन से बीपरजॉय चक्रवाती तूफान के चलते

- निचली बस्तियों व भराव क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

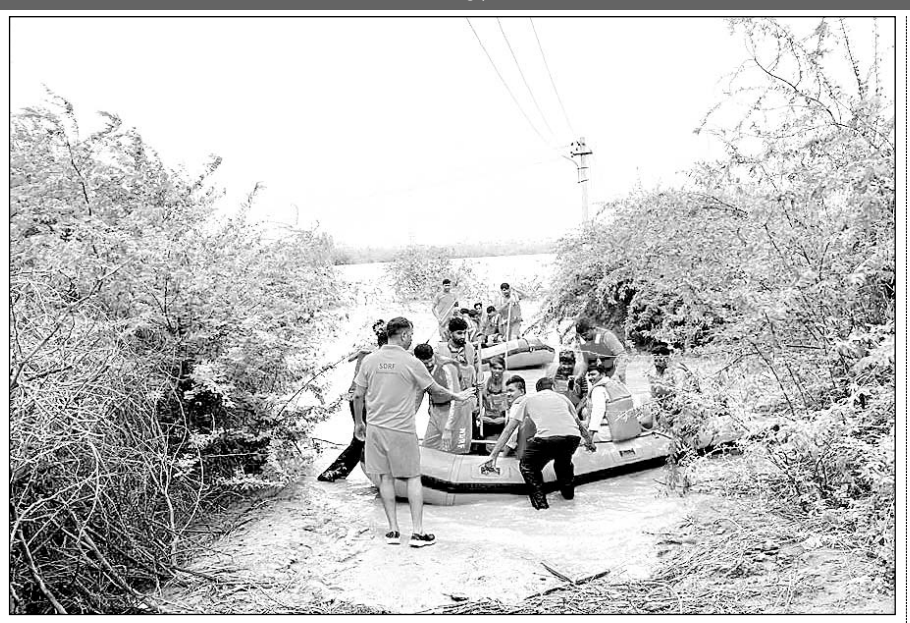

जालोर के भीनमाल में बाढ़ में फंसे लोगों को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम ने निकाला।

मूसलाधार बारिश व तेज हवा चलने से जालौर जिले के नदी नाले व बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं। वहां जालौर जिला मुख्यालय की लेटा जवाई नदी में पानी पूरे उफान के साथ बहता हुआ नजर आया। मूसलाधार बारिश के चलते जालौर शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया। वही जालौर शहर के सुन्देलाव तालाब में पानी की आवक होने से तालाब लबालब भरा हुआ नजर आया। मूसलाधार बारिश से बागरा मोदरा रेल मार्ग पर रेल की पटरियों के नीचे से रेत खिसक जाने से पटरियां अधरझूल में झूलती नजर आई। वहीं कुलथाना नदी में पानी की आवक होने से जोधपुर-जालौर मार्ग भी पूर्णतया अवरूद्ध हो गया। जवाई नदी के पुलिये से पानी ऊपर गुजरने से आहोर मार्ग बंद रहा। जालौर जिले के सांचौर, रानीवाड़ा, जसवंतपुरा में शनिवार व रविवार सुबह तक मूसलाधार बारिश होने से कई कॉलोनियां जलमग्न हो गई। वहीं सांचौर में बाढ़ के हालात बन गए। शनिवार रात्रि को तेज बारिश व तेज हवा के चलते कई जगह पेड़ धराशाही हो गए। वहीं कई जगह विद्युत पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति पूर्णता ठप हो गई।

रविवार को भीनमाल उपखण्ड क्षेत्र के निम्बली नाड़ी क्षेत्र में 20 महिलाएं तथा 15 बच्चों सहित कुल 41 लोगों को निचले इलाकों में पानी का भराव हो जाने से एसडीआरएफ, पुलिस एवं प्रशासन की टीमों द्वारा बचाव कार्य करते हुए लोगों को सुरक्षित स्थलों पर पहुंचाया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पांचला में भराव क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को रेस्क्यू किया गया तथा पांचला बांध के समीप रह रहे 10 परिवारों को प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया। प्रशासन द्वारा रविवार को अनखोल नदी के किनारे बैठे 3 भील परिवारों को सुरक्षित पहुंचाकर उनके भोजन व पेयजल की व्यवस्था की गई। लेटा-रतनपुरा के बीच नदी के टापू पर फंसे 3 लोगों को एसडीआरएफ टीम द्वारा सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जोधपुर में तीन दिन से हो रही बरसात से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जोधपुर में हो रही बारिश के चलते शहर में हर जगह पानी भरा हुआ नजर आया।

जोधपुर, (कासं)। बिपरजॉय चक्रवात तूफान के कारण जोधपुर शहर में पिछले तीन दिनों से बारिश जारी है। लगातार चलने वाली बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कई सड़कें तालाब बन चुकी है। जोधपुर शहर में शुक्रवार को शुरू हुई बरसात शनिवार को पूरे दिन व पूरी रात चलती रही। रविवार को भी यह क्रम जारी रहा।

पिछले 36 घंटे से भी ज्यादा समय से लगातार कहीं धीमी तो कहीं तेज बारिश का दौर जारी है। लगातार कई घंटों से जारी बारिश के कारण आज कई व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। रविवार के अवकाश के चलते सरकारी विभाग पहले से ही बंद हैं। शहर के बाजार में दुकानें बंद थी। बाड़मेर और सिरोही जिले के कुछ हिस्सों में तबाही मचाने के बाद यह तूफान की रफ्तार जोधपुर पहुंचते-पहुंचते धीमी हो गई है। तूफान से ज्यादा बारिश ने अपना असर दिखाया है। जोधपुर शहर में पिछले 48 घंटों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण प्रमुख सड़कों पर कई फीट तक पानी भर गया है।

ड्रेनेज सिस्टम की कमी के कारण कई प्रमुख सड़कों पर भी पानी भर गया है। महामंदिर रेलवे स्टेशन के सामने सड़क 3 फीट पानी में डूबी हुई रही। जिला प्रशासन ने सिविल डिफेंस की टीमों को निचली बस्तियों में तैनात कर दिया है।

जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने चक्रवाती तूफान बिपरजॉय और वर्षा की वजह से संभावित असर का आंकलन करने रविवार को शहर के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया और जानकारी ली और इस बारे में अधिकारियों से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने इस दौरान नटिया बस्ती में जल भराव से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए वहां जल भराव को देखा तथा नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मड पम्प द्वारा जल निकासी का पूर्ण कार्य सुनिश्चित कराएं। जिला कलेक्टर ने सारण नगर पुलिया तथा बीजेएस के रूप नगर में भी निरीक्षण किया व जानकारी ली। जिला कलक्टर ने लोगों से कहा कि प्रशासन हर दृष्टि से मुस्तैद है और हरसंभव सहायता के लिए प्रयासरत है।

चूरू में मूसलाधार बारिश हुई

चूरू, (कासं)। बाडमेर के रास्ते राजस्थान में प्रवेश करने वाले बिपरजॉय तूफान ने आज चूरू में आकर दम तोड़ दिया। आज यहां दोपहर दो बजे के लगभग मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। चूरू में किसी भी प्रकार से नहीं लग रहा था कि यहां कोई तूफान आया है। ऐसे में मौसम के जानकारों ने कहा कि बिपरजॉय तूफान ने यहां दम तोड़ दिया है। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज 2.8 एमएम बारिश हुई है। आज यहां न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। यहां हुई हल्की बारिश के बाद मौसम सुहावना बन गया है। फसल को भी फायदा ही होगा।

धोरीमन्ना के कई गांवों में मूसलाधार बरसात

धोरीमन्ना, (नि.सं.)। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना क्षेत्र के कई गांवों में मूसलाधार एवं तेज हवा के साथ तेजी से बरसात का दौर जोरों पर है। धोरीमन्ना मुख्य चौराहे पर पानी पानी हो गया। नदी जैसा हालात हो गया। 4 दिनों से बिपरजॉय तूफान ने तांडव मचाया है। कई गांवों में पानी भरा हुआ है। शाम चार बजे के बाद फिर से मूसलधार बारिश तेजी से दौर शुरू हो गया। धोरीमन्ना बाजार में एवं एनएसआई बनी सर्विस लाइन में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। जगह जगह एनएसआई रोड के ऊपर पानी भरा पड़ा है। यातायात एवं छोटे-बड़े बाइक एवं राहगीर चलने में बड़ी परेशानियां से परेशान है। एनएसआई अधिकारियों का इतनी बड़ी समस्या पर कोई ध्यान नहीं है। पुलिस थाना धोरीमन्ना के पास बने हुए ब्रिज के पास सर्विस लाइन हाल ही बनाई लेकिन बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। धोरीमन्ना मुख्य चौराहे के पास कई समय से पानी का भराव हो रहा है। वहां पानी भरा हुआ रहता है। ब्रिज के पास सर्विस लाइन कई बार अधिकारियों को अवगत कराने पर कोई परवाह नहीं है।

पुष्कर सरोवर में पानी की आवक, बाइकें बही

पुष्कर, (निसं.)। पुष्कर में शनिवार रात्रि से बरसात का दौर जारी रहने से अब हालात धीरे धीरे विकट होते जा रहे है। लगातार बरसात होने से पुष्कर की निचली बस्तियां जलमग्न हो गई है।परिक्रमा मार्ग पर दिनेश पाराशर की दुकान के सामने वर्षों पुराना विशाल बरगद का पेड़ जड़ सहित गिर गया तथा बरगद का पेड़ गिरने से बिजली के तार और खंबे टूट गए। बिपरजाय चक्रवती तूफान का रेड अलर्ट घोषित होने के बाद भी प्रशासन ने नही उठाए कोई ठोस कदम प्रशासन और नगरपालिका की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। वहीं पुष्कर होटल हेरिटेज के पीछे एक मोर को कमल और भरत सहित अन्य लोगों ने बचा लिया। नदी के बहाव में आए चार युवकों को मोटरसाइकिल सहित कमल और भरत ने बचा लिया बिपरजोय की वजह से पवित्र पुष्कर सरोवर में पानी की भारी आवक रही।

पाली जिले में तूफान व बरसात से कई नदियां उफान पर

सुमेरपुर में 367 मिमी, रानी में 349, देसूरी में 345 और बाली में 338 मिमी बारिश दर्ज

पाली जिले में एनडीआरफ, एसडीआरएफ व ग्रामीणों की मदद से लोगों को रेस्क्यू किया।

पाली शहर में जंगी बड़ा के निकट फैक्ट्री की कच्ची दीवार गिरने से कई वाहन दब गए।

पाली, (निसं)। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का पाली जिले में व्यापक असर देखने को मिला। शनिवार रात से जिले में तेज अंधड़ के साथ बारिश शुरू हुई जो रविवार दोपहर बाद तक जारी रही। इस दौरान सुमेरपुर ब्लॉक में सर्वाधिक 367 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं रानी में 349, देसूरी में 345 और बाली में 338 मिमी बारिश हुई।

जिला कलेक्टर नमित मेहता एवं पुलिस अधीक्षक गगनदीप सिंगला लगातार हालात पर नजर रखे रहे। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते देसूरी, सुमेरपुर, बाली क्षेत्रों में नदी-नालों के बीच पानी में घिरे 30 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। वहीं सुमेरपुर के पावा गांव में फंसे 6 लोगों को निकालने के लिए वायु सेना की मदद ली जा रही है। सुमेरपुर के ही धना गांव में भी 2 लोगों को रेस्क्यू करने के प्रयास जारी हैं। पाली में जबरदस्त बारिश आंधी तूफान से आधा दर्जन नदियां चली, पेड़ विद्युत खंभा गिरे पिछले दो दिन से जिले में आंधी-तूफान व बरसात आने से जिले में कई नदियां उफान पर है। पाली की जोजावर क्षेत्र, रोहट क्षेत्र गड़वाड़ा के पास नदी, बाता नदी चल पड़ी,

- देसूरी, सुमेरपुर, बाली क्षेत्रों में 30 से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया

जिससे पाली के हेमावास बांध में भी पानी आना शुरू हो गया। जिले में कई जगह पर सैकड़ों पेड़ व विद्युत पोल गिर गए जिससे पाली शहर में भी 18 घंटे लाइट बंद रही। रविवार शाम 6 बजे विद्युत सप्लाई की गई। पाली शहर में जंगी बड़ा के निकट एक फैक्ट्री की कच्ची दीवार गिरने से एक कार वह चार पांच वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। शहर के नगर परिषद के सामने टैगोर नगर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में पेड़ गिर। रविवार को सुबह से लेकर तीन बजे तक जोरदार तीव्र गति से बारिश हुई।

जिला कलेक्टर ने बताया कि चक्रवाती तूफान के चलते सुमेरपुर, देसूरी, बाली और पाली क्षेत्र में सर्वाधिक बारिश हुई। देसूरी, सुमेरपुर और बाली क्षेत्र में 30 से अधिक लोगों को प्रशासन की टीम ने एनडीआरफ, एसडीआरएफ और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू किया। भारी बारिश के चलते नदी नाले उफान पर रहे। इस बीच देसूरी उपखण्ड क्षेत्र के करणवा गांव में ट्रैक्टर में सवार एक ही परिवार के 6 लोग तेज बहाव के बीच नदी पार करने के प्रयास में फंस गए। परिवार में 2-3 साल की बालिका भी शामिल थी। सूचना मिलते ही उपखण्ड अधिकारी देवयानी, तहसीलदार, प्रधान आदि टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। उधर सेन्दरली गांव में भी खेत के चारों ओर पानी भरने से एक ही परिवार के 3 लोग फंस गए थे। प्रशासन की टीम ने ग्रामीणों की मदद से उन्हें सुरक्षित निकाला। इसी प्रकार बाली ब्लॉक के भीटवड़ा में भी पानी के बीच फसे लोगों को लाइफ जैकेट, रस्से और ट्यूयूब आदि की मदद से रेस्क्यू किया गया।

सुमेरपुर क्षेत्र के पावा गांव में 6 लोग तेज बहाव के बीच फसे हुए हैं। सूचना पर स्थानीय प्रशासन और एनडीआरफ की टीम मौके पर पहुंची। काफी प्रयासों के बाद भी सफलता नहीं मिलने पर जिला कलेक्टर मेहता ने वायु सेना की मदद मांगी है। देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। इसी प्रकार धना गांव में भी बहाव में फंसे 2 लोगों को निकालने के लिए प्रशासन और एनडीआरफ की टीम प्रयासरत है।

गंगापुरसिटी में दिखा तूफान का असर

गंगापुर सिटी, (निसं)। बिपरजॉय तूफान गुजरात के बाद अब राजस्थान के जिलों में अपना असर दिखा रहा है। शहर सहित आसपास के क्षेत्र में शनिवार रात को बिगड़ा मौसम का मिजाज रविवार को भी पटरी पर नहीं लौट पाया।

रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और सूरज और बादलों के बीच आंख मिचौली का खेल चलता रहा। इस बीच कई बार रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी होती रही। सुबह जब लोगों की नींद खुली तो आसमान में बादल छाए हुए थे और तेज ठंडी हवाएं चल रही थी। सूरज के दर्शन नहीं होने के कारण सूरज और बादलों के बीच आंख मिचौली का खेल चलता रहा। इस बीच रुक-रुक कर हल्की-हल्की बूंदाबांदी भी होती रही। लोगों को बिपरजॉय चक्रवात से मौसम बदलने का एहसास हो गया। इससे पहले शनिवार शाम करीब 7 बजे एक बार फिर मौसम बदल गया और आसमान में बादल छा गए बादलों को देखकर लोगों को मौसम के बदलने का एहसास हो गया। आसपास के क्षेत्र में लोग चक्रवात बिपरजॉय के कारण मौसम में आए बदलाव को इसका कारण मान रहे थे। रात करीब 8 बजे बाद तेज हवाएं चलने लगी और बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। करीब दस मिनट तक तेज गति से बारिश होती रही। वहीं, बिजली कटौती के कारण कोढ में खाज की स्थिति पैदा हो गई। साथ ही आसमान में बिजलियां कडकती रही।

मनरेगा मजदूरों से मारपीट, तीन घायल

डीग, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के गांव अऊ के पास मनरेगा में कार्य कर रहे मजदूरों के साथ कुछ उमरी गांव के लोगों ने मारपीट के दौरान 3 लोगों को चोटे आई है। जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के चलते प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

घायल वीरेंद्र नगला फौजदार, घायल नाहर सिंह, घायल जोगिंदर को जिला अस्पताल रेफर किया है। अऊ गांव के सरपंच इंद्रपाल सिंह ने बताया कि हमारे गांव की लोग मनरेगा में कार्य कर रहे थे तो अचानक गांव उमरा के कुछ लोग अपने हाथों में लाठी-डंडे लेकर आए और मनरेगा में कार्य कर रहे

- घायलों का अस्पताल में उपचार कराया

लोगों पर बरसाना शुरू कर दिया। जिसमें 3 लोग घायल हो गए हैं तीनों का इलाज डीग अस्पताल में जारी है। हमने सदर थाना पुलिस को सूचना दे दी हैं। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। सरपंच इंद्रपाल ने बताया जिन लोगों ने मारपीट की थी व नरेगा के कर्मचारियों से मिसट्रोल को छुड़ाकर ले गए हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है कि मामला क्या है किस बात को लेकर झगड़ा हुआ है अभी तक झगड़े के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

जे.ई.ई.-एडवांस्ड, 2023 में हैदराबाद के वी.सी. रेड्डी ऑल इंडिया टॉपर

गर्ल्स केटेगरी में हैदराबाद जोन से छात्रा नयाकांति नाग भव्यश्री ऑल इंडिया टॉपर रही

कोटा, (निसं)। आईआईटी गोवाहाटी द्वारा रविवार को घोषित जेईई-एडवांस्ड, 2023 रिजल्ट में हैदराबाद के छात्र वाविलाला चिदविलास रेड्डी ऑल इंडिया टॉपर रहे। उसे 360 में से 341 अंक प्राप्त हुये हैं। गर्ल्स केटेगरी में हैदराबाद जोन से छात्रा नयाकांति नाग भव्यश्री ऑल इंडिया टॉपर रही। उसने 360 में से 298 अंक प्राप्त किये है। देशभर के कोचिंग संस्थानों एवं परीक्षार्थियों द्वारा रिजल्ट देखने का क्रम जारी है। इस वर्ष 4 जून को देश के 221 शहरों के परीक्षा केंद्रों पर कुल 1,80,371 परीक्षार्थियों ने जेईई-एडवांस्ड परीक्षा दी थी, जिसमें से 43,773 क्लालिफाई घोषित किये गये। इनमें 36,204 छात्र एवं 7,509 छात्रायें हैं। इस वर्ष कुल परीक्षार्थियों की संख्या पिछले वर्ष से 24,834 अधिक होने से 3061 परीक्षार्थी अधिक सफल हुये हैं। हालांकि रिजल्ट 24.26 प्रतिशत रहा, जबकि गत वर्ष रिजल्ट 26.17 प्रतिशत था। इस वर्ष जेईई-मेन से कुल 1.93 लाख विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड के लिये क्वालिफाई किये गये थे, जिसमें से 1,80,371 लाख स्टूडेंट्स ने ही यह परीक्षा दी। ज्वाइंट सीट एलोकेशन कमेटी (जोसा) द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया सोमवार 19 जून से प्रारंभ कर दी जायेगी। जेईई-एडवांस्ड में क्वालिफाई 43,773 विद्यार्थियों को देश की 23 आईआईटी की 16,598 (2022 के अनुसार) से अधिक सीटों पर प्रवेश दिये जायेंगे। जेईई-एडवांस्ड के स्कोर से 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 त्रिपल आईटी, 35 केंद्र वित्त पोषित संस्थानों सहित 117 संस्थानों के विभिन्न कोर्सेस में प्रवेश मिलेंगे।

- कुल 1,80,372 परीक्षार्थियों में से 43,773 क्वालिफाई हुये
- इस वर्ष रिजल्ट 24.26 प्रतिशत रहा, जबकि गत वर्ष रिजल्ट 26.17 प्रतिशत था

7509 बेटियां क्वालिफाई:- 23 आईआईटी की 3276 सीटें (20.06 प्रतिशत) गर्ल्स के लिये सुपर न्यूमेरेरी आधार पर आरक्षित हैं। गत वर्ष 35,124 में से 6516 गर्ल्स जेईई-एडवांस्ड में चयनित हुई थी। इस वर्ष 7509 गर्ल्स सफल रही जो गत वर्ष से 993 अधिक हैं।

यह रही कटऑफ:- जेईई-एडवांस्ड,2023 में सामान्य वर्ग की कुल कटऑफ 23.89 प्रतिशत व विषयवार 6.83 प्रतिशत रही। ओबीसी एवं सामान्य ईडब्ल्यूएस वर्ग में कटऑफ 21.50 प्रतिशत व विषयवार 6.15 प्रतिशत रही। एससी, एसटी व दिव्यांग वर्ग की कटऑफ 11.95 प्रतिशत व विषयवार 3.42 प्रतिशत है। रिजल्ट के अनुसार, इस वर्ष सामान्य वर्ग को 360 में से 86, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस को 77, एससी, एसटी व दिव्यांग वर्ग को 43 अंकों पर काउंसलिंग के लिये क्वालिफाई घोषित किया गया है।

हैदराबाद जोन से सर्वाधिक सलेक्शन:- इस प्रवेश परीक्षा में आईआईटी के 7 जोन में हैदराबाद जोन से सर्वाधिक 10,432 स्टूडेंट्स, दिल्ली जोन से 9,290, मुंबई जोन से 7957, खडगपुर जोन से 4618, कानपुर जोन से 4582, रूडकी जोन से 4499, गुवाहाटी जोन से 2395 स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुये हैं।

टॉप-10 में 6 हैदराबाद जोन से:- वीसी रेड्डी, आईआईटी हैदराबाद जोन, रमेश सूर्य थेजा आईआईटी हैदराबाद जोन, ऋषि कालरा, आईआईटी रूड़की जोन, राघव गोयल आईआईटी रूड़की जोन, ए.वेंकट शिवराम, आईआईटी हैदराबाद जोन, प्रभाव खंडेलवाल, आईआईटी दिल्ली जोन, बी.अभिनव चौधरी, आईआईटी हैदराबाद जोन, मलय केडिया, आईआईटी दिल्ली जोन एनबी रेड्डी, आईआईटी हैदराबाद जोन, वाई वेकट मनेंद्र रेड्डी, आईआईटी हैदराबाद से टॉप 10 रैंक बनाने में सफल रहे हैं।